class-VII Hindi

L. Hindi

(1)

1) क) बालक के पिताजी झंडा लेकर अंग्रेजों के विरोध में जुलूस निकाल रहे थे इसलिए उनको सिपाहियों ने पकड़ा।

ख) जिस चौराहे पर प्रतिदिन जुलूस आता है उस चौराहे पर बालक मूँगफली बेचने के लिए उसको खरीदना चाहता था।

ग) सेठ जी जब छोटे थे तब बाबू ईश्वरचंद्र ने उसको आठ आने दिए थे। इसलिए सेठ जी

बाबू ईश्वरचंद्र को यह बोलना चाहते थे कि उनको आशीर्वाद के कारण ही आज सेठ जी का इतना बड़ा व्यापार है।

ध) बाबू ईश्वर चंद्र ने सेठ जी को यह कहा कि रुपयों की थैली लेकर मैं क्या करूँगा? तुम इससे हीन बच्चों के लिए एक ऐसी पाठशाला खुलवा दो जिसके बाहर लिखा हो "परिश्रम का फल अवश्य मिलता है"।

ङ) सेठ जी जब छोटे थे तब बाबू ईश्वर चंद्र ने उसको मदद के तौर पर आठ आने दिए थे, और अब उसके पास सबकुछ है। इसलिए सेठ जी बाबू ईश्वर चंद्र को रुपयों की थैली देना चाहते थे।

3) क) बालक ने ईश्वर चंद्र से यह कहा कि— बाबू जी, मेरी सहायता कीजिए। मैं कई दिनों से भूखा हूँ। मेरी माँ भी अस्वस्थ है।

ख) ईश्वर चंद्र ने सबकुछ सुनने के बाद बालक से कहा कि मैं तुम्हारी सहायता अवश्य करूँगा। यदि मैं तुम्हें आठ आने दूँ तो तुम उनका क्या करोगे?

ग) ईश्वर चंद्र ने बालक को आठ आने देने के बाद यह पूछा कि इतनी मूँगफलियों का तुम क्या करोगे?

घ) बालक को आठ आने मिलने पर उसने कहा कि मैं उन आने से दाल-चावल खरीदूँगा।

एक आने से माँ के लिए दवाई और बचे (4)
हुए पैसों से मूँगफली।

(3) इस एकांकी नाटक से यह शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।